वार्तालाप नं.902, फर्रूखाबाद (उ.प्र.) पार्ट-1 ता-15.12.09

Disc.CD No.902**,** dated 15.12.09 at Farrukhabad (Uttar Pradesh), Part-1

समय:00.01-03.46

जिज्ञासु- बाबा ये द्वापरयुग से जो शास्त्र लिखे जाते हैं, सब संस्कृत भाषा में लिखे जाते हैं।

बाबा- नहीं। संस्कृत का अर्थ होता है सुधरी हुई। जिसको स्पेशली आर्टीफिशली सुधारा जाता है। आदि में भाषा नहीं थी इतनी। जब सृष्टि का आदिकाल होता है तो मनुष्यों को ज्यादा बोल-बोल करने की जरूरत है या उनकी आत्मा का वायब्रेशन ही ज्यादा कार्य करता है?

जिज्ञासु- वायब्रेशन ।

बाबा- वायब्रेशन ही इतना तीखा कार्य करता है कि इशारे मात्र से दूसरा सामने वाला व्यक्ति भाव को समझ जाता है। वहाँ वायब्रेशन की, भाव की भाषा होती है। अंशमात्र आवाज वाली दुनिया है और आज की दुनिया? आवाज वाली दुनिया है। तो सृष्टि के आदि में आवाज नाम मात्र को थी। द्वापर के आदि में आवाज की दुनिया शुरू होती है तो ढ़ेर की ढ़ेर भाषाओं की भी शुरूआत होती है। ये काम एकदम शुरू हो जाता है या धीरे-धीरे शुरू होता होगा? धीरे-धीरे होता है।

Time: 00.01-03.46

Student: Baba, the scriptures that were written since the Copper Age; all of them were written in Sanskrit language.

Baba: No. Sanskrit means improved (civilized); [the language] which is especially artificially improved. In the beginning, the language was not so extensive. When it is the beginning period of the world, do the human beings need to speak much or does the vibration of their soul perform most of the tasks?

Student: The vibration [works].

Baba: The vibrations themselves work so strongly that the other person, the person in front [of the speaker] understands his intention just through gestures. There, it is the language of vibrations, feelings. It is a world which has just a trace of sound and what about today's world? It is a world of sounds. So, in the beginning of the world sounds were for name sake. In the beginning of the Copper Age, the world of sound begins, so numerous languages begin too. Does this task begin immediately or gradually? It begins gradually.

पहले बोल-बोल की भाषा नहीं थी। जो भी शास्त्र बने वो तो 400-500 वर्ष के बाद बने हैं द्वापरयुग में। पहले तो अंजता, एलोरा, एलिफन्टा की गुफायें जो दो, ढ़ाई हजार वर्ष पुरानी गुफायें मिल रही हैं उनमें चित्रकारी होती थी; वो चित्रकारी की भाषा थी। शास्त्र नहीं बनाये गये थे पहले। चित्रों के आधार पर बाद में शास्त्र बनाये गये हैं। तो भाषा का सुधरा हुआ रूप नहीं था। पहले-2 लिखे गये हैं वेद, वेदवाणी। उनमें वैदिक भाषा थी, व्याकरण का उतना ज्यादा ध्यान नहीं था। फिर बाद में पाली, प्राकृत आदि दूसरी भाषायें आई। जो संस्कृत से

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

मिलती-जुलती थी। जब ये शास्त्र बने हैं तभी पाणिनी आदि पण्डितों ने आकर के उस भाषा को सुधरा है। सुधारवादी भाषा का ही नाम संस्कृत रख दिया गया है।

Initially, the language of sounds (speech) did not exist. All the scriptures that were written, they were written after 400-500 years of the [beginning of the] Copper Age. Initially, painting used to be done in the caves of Ajanta, Ellora, Elephanta, the two thousand or two thousand five hundred years old caves which are being found; that was a language of drawings. Initially scriptures were not written. The scriptures were made on the basis of the pictures later on. So, there was no improved form of language. First of all, the Vedas were written, the *Vedvani*. Its language was Vedic. Not much attention was paid to the grammar. Later on other languages like Pali, Prakrit, etc. emerged which were similar to Sanskrit. When these scriptures were written, scholars like Panini etc. came and improved that language. The reformist language itself was named as Sanskrit.

समय: 03.58 - 09.16

जिज्ञासु- बाबा 16 कला जो हैं... सतयुग में 16 कला फिर 12 फिर 8 ये... ये क्या चीज़ है? ये कलायें क्या?

बाबा- मुरली सुन रहे हो रोज?

जिज्ञासु- हाँ- हाँ।

बाबा - झूठ बोलो (तो) कव्वा काटेगा।

जिज्ञासु- अरे, नहीं।

बाबा - अरे, नहीं।

जिज्ञासु- रोजाना मुरली।

बाबा- तो मुरली में ये बात नहीं आई है?

जिज्ञासु- वो अभी नहीं सुनी।

बाबा- कि जो एक बार नहीं, दस बार आई है।

जिज्ञासु- हमने एक बार भी नहीं सुनी। तभी तो पूछ रहे हैं।

बाबा- तो तुम मुरली नहीं सुनते हो ना।

Time: 03.58-09.16
Student: Baba, these celestial degrees; there are 16 celestial degrees in the Golden Age, then 12, then 8….what is this? What are these celestial degrees?
Baba: Are you listening to the Murlis daily?
Student: Yes, yes.
Baba: If you speak lies, the crow will bite you[1].
Student: No, no.
Baba: No, no.

[1] an expression in Hindi

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: [I listen to] Murli daily…
Baba: So, has this not been mentioned in the Murlis?
Student: I have not yet heard it.
Baba: It has been mentioned not just once but ten times.
Student: I have not heard it even once; this is why I am asking.
Baba: So, you do not listen to the Murlis, do you?

जिज्ञासु- मुरली में नहीं आया अभी हमने सुना उसमें जो हम सुन रहे रोजाना।
बाबा- मुरली में ये बात बीसियों बार आ चुकी है।
जिज्ञासु- कौनसी?
बाबा- क्लारिफिकेशन में कि जैसे चंद्रमा की कलायें होती हैं....।
जिज्ञासु- वो तो पता है।
बाबा- अरे, पता है। तो ऐसे ही-2 ये रोशनी है आत्मा की।
जिज्ञासु- जैसे दो कलायें कौनसी कम हो गई?
बाबा- फिर वही दो कला कम, अरे, जैसे एक सेर में 16 छटाक होती है.....
जिज्ञासु- हाँ, वो तो ठीक है।
बाबा- एक किलो में...
जिज्ञासु- 8 कला के बाद 2 कलायें रह गई।
बाबा- तो नंबर है, ये मिजर्मेन्ट है। ये मिजर्मेन्ट जैसे-2 घटता जाता है तो कहते हैं आत्मा की ज्योति की क्षीणता हो गई। आत्मा की शक्ति क्षीण हो गई।

Student: It hasn't been mentioned in the Murlis that I listened to regularly yet.
Baba: This has been mentioned in the Murlis scores of times.
Student: What?
Baba: It has been mentioned in the clarifications that just as there are celestial degrees of the Moon…
Student: I know that….
Baba: Arey, when you know that, then similarly this is the light of the soul.
Student: Then, which two celestial degrees decreased?
Baba: Again [you are speaking about] the same: two celestial degrees decrease; arey, just as there are 16 *chataak* (one sixteenth of a *ser* or five *tolas*, which is nearly 50 grams) in one *ser*….
Student: Yes, that is ok.
Baba: In one kilo.
Student: After 8 degrees, 2 degrees remain.
Baba: So, these are numbers, they are measurements. When this measurement decreases, it is said that the soul's light decreased. The soul's power decreased.

जिज्ञासु- 8 कला के बाद कलियुग में बिल्कुल कला नहीं रही।
बाबा- वो ही शक्ति क्षीण हो गई। आत्मा में जो रोशनी है वो खत्म हो गई। जो सच्चाई को सोचने की शक्ति है वो क्षीण हो गई। सारी दुनिया झूठ के ऊपर चल पड़ी उसको कहते

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

अंधकार की दुनिया। आत्मा की रोशनी बढ़ती है तो जैसे 16 कला तक बढ़ जाती है। चंद्रमा से उसका मिसाल दिया जाता है। 15 दिन रोशनी घटती है और 15 दिन रोशनी बढ़ती है। ये बढ़ी हुई रोशनी की दुनिया है जिसे सतयुग और त्रेता कहा जाता है फिर घटती हुई रोशनी और ज्यादा है तीव्रगति से द्वापर, कलियुग कहा जाता है। सतयुग के आदि में है ज्ञान चंद्रमा ब्रह्मा सम्पूर्ण और कलियुग के अंत में है कलाहीन। फिर बाप आकर के एक सेकेंड़ में 16 कला सम्पूर्ण बनाए देते हैं। ये ज्ञान की रोशनी से आत्मा भरपूर हो जाती है। याद की शक्ति से सम्पन्न हो जाती है। बाकी कोई अलग-अलग कलायें नहीं हैं जो ब्रह्माकुमारियाँ बताती हैं नृत्यकला, संगीत-कला, चित्रकला ऐसा कुछ नहीं है।

Student: There are no celestial degrees left in the Iron Age after the [decrease of] 8 celestial degrees.
Baba: That is true, the power decreased. The light of the soul finished. The power to think of the truth decreased. The entire world started following falsehood. That is called the world of darkness. When the light of the soul increases, it increases up to 16 celestial degrees. It is compared to Moon. Its light decreases for 15 days and increases for 15 days. This is a world of increased light which is called the Golden Age [and] the Silver Age; and when the light decreases, it decreases even more rapidly, it is called the Copper Age [and] the Iron Age. In the beginning of the Golden Age the Moon of knowledge Brahma is complete and at the end of the Iron Age he is without any celestial degrees. Then the Father comes and makes him perfect in 16 celestial degrees in a second. The soul becomes full with this light of knowledge. It becomes complete with the power of remembrance. As for the rest, there are no separate celestial degrees which the Brahmakumaris teach; the art of dancing, the art of music, the art of painting [etc.], there is nothing like this.

जिज्ञासु- बाबा चंद्रमा का घटना और बढ़ना महीने भर में होता है क्या? ये चंद्रग्रहण नहीं कहलायेगा?

बाबा- घटना-बढ़ना जो होता है वो अकस्मात नहीं होता है; धीरे-धीरे होता है। और चंद्रग्रहण, सूर्यग्रहण; जैसे माया बताकर के अटैक करती है? अचानक अटैक करती है। ऐसे ही जो 9 ग्रह हैं उनमें जो चैतन्य ग्रह कहे जाते हैं, धरती के चैतन्य सितारे हैं उनका अचानक अटैक होता है। जैसे कहते है राहु की दशा। अभी ब्राह्मणों के ऊपर ऐसे संग का रंग लगाने वाले राहु की दशा बैठती है। तो ज्ञान में अच्छे-खासे चलते-2 रफुचक्कर हो जाते हैं। बाकी ऐसा नहीं है जैसे समझा जाता है। माया अचानक अटैक करती है; वही ग्रहण है। ग्रहण भी कभी अधूरा लगता है, कभी सम्पूर्ण लगता है, कभी चौथाई लगता है। पूर्वजन्मों के हिसाब के आधार पर 63 जन्मों में हमने जैसे-2 कर्म किये है उन कर्मों के आधार पर हमारे ऊपर आक्रमण होता है। आक्रमण तभी होगा जब हमने कोई के ऊपर आक्रमण किया होगा। ये हमारे कर्मों का हिसाब-किताब है जो टाईम टू टाईम हमारी अवस्था को नीचे-ऊपर करता है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, the Moon decreases and increases during a month; will it not be called the lunar eclipse?
Baba: This decrease and increase is not sudden; it takes place gradually and as regards the lunar and solar eclipse; just like Maya; does she attack with prior-intimation? She attacks suddenly. Similarly, the 9 planets, the ones that are called the living planets, the living stars on Earth, they attack suddenly. For example, it is said: the eclipse of Rahu. Now the brahmins come under the planetary influence of Rahu who applies the colour of his company. So, while following the path of knowledge nicely they run away. But it is not as people think. Maya attacks suddenly; that itself is called eclipse. Sometimes the eclipse is incomplete, sometimes it is complete and sometimes it is one fourth. On the basis of the karmic account of the previous births, on the basis of whatever actions we have performed in the past 63 births, we are attacked. Attack will take place only if we have attacked someone (in the previous births). This is the karmic account of our actions which makes our stage up and down from time to time.

समय: 09.34-14.22

जिज्ञासु- दक्ष प्रजापिता यज्ञ किसे कहते हैं?
बाबा- दक्ष माना ट्रेइन्ड़। क्या? जैसे परिवार होता है या कोई संस्था होती है या कोई भी मैनेजमेंट होता है तो मैनेजमेंट को चलाने वाला मैनेजर कहा जाता है। जैसे हॉटेल मैनेजमेंट होता है तो उनको ट्रेनिंग दी जाती है या नहीं? दी जाती है। तो कोई मैनेजर बहुत होशियार होता है, पक्का ट्रेन्ड़ हो जाता है तो उसे कहेंगे दक्ष। दक्ष शब्द से ही बनता है दीक्षित। तो ये ट्रेनिंग की बात है। दुनिया में जैसे ट्रेनिंग होती है ऐसे ही मनुष्य सृष्टि को चलाने की ट्रेनिंग है। कोई मनुष्य सृष्टि में दो सौ करोड़ मनुष्य मात्र को चलाने का मुखिया कहा जाता है। जैसे क्राईस्ट; वो अपने हुजूम का प्रजापिता है, अपने हुजूम को चलाने में दक्ष है। ऐसे ही नंबरवार और भी धर्मपितायें हैं जो मानवीय सृष्टि के कोई न कोई छोटे-बड़े ग्रुप को संचालन करने में दक्ष है; परंतु इन सबका कोई बाप है। जो बापों का बाप कहा जाता है। धर्मपिताओं का भी पिता है। हर धर्म में जिसकी मान्यता है। वो 100 परसेन्ट दक्ष है, ट्रेइन्ड़ है।

Time: 09.34-14.22
Student: What is meant by the Daksh Prajapati *yagya*?
Baba: *Daksh* means trained; what? For example, there is a family, an institution or some management; so, the one who runs the management is called a manager. For example there is hotel management; are they given training or not? They are given [the training]. So, some managers are very clever, they become perfectly trained, so they are called *daksh* (proficient). The word *daksh* is the root for the word '*dikshit*'. So, it is about training. Just as training takes place in the world, [this is] a training to run the human world. Someone is called a head who manages 2 billion human beings in the human world. For example, Christ; he is a Prajapita for his group. He is efficient in administrating his group. Similarly there are number wise (of different capacities) other religious fathers too who are proficient in administrating a small or big group of the human world. But there is a father of all of them who is called the father of the fathers. He is a father of the religious fathers as well, the one who is accepted by every religion. He is 100 percent proficient; he is trained.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

दुनिया की पूरी की पूरी जेनरेशन को संचालन करने में और सहजपूर्वक संचालन करने में और खुशी-2 संचालित करने में ट्रेइन्ड़ साबित हो जाता है उसको कहते हैं विश्वपिता। नहीं तो दुनिया में बड़े-2 हुए जिन्होंने ये लकब लेना चाहा कि हम सारी दुनिया को कन्ट्रोल करेंगे। अलेक्ज़ैंडर, मुसोलनी, हिटलर, नेपोलियन ये सब हिंसक हुए हैं। बाहुबल के आधार पर, हिंसा के आधार पर दुनिया के मनुष्य मात्र को कन्ट्रोल करने की इच्छा वाले हुए। ये कोई दक्षता नहीं है। वो असफल हो गये। एक ही दक्ष प्रजापिता का गायन है जो सारे ही मनुष्य मात्र का मुखिया गिना जाता है; उसे शास्त्रों में दक्ष प्रजापति नाम दिया है। पिता पहले होता है या पति पहले होता है? पिता, जन्मदाता पहले होता है। कन्ट्रोल करनेवाले को, रक्षण करनेवाले को पति कहा जाता है। विश्वपति बाद में बनता है। तो जो सम्पन्न स्टेज है उसका शास्त्रों में गायन है- दक्षप्रजापति।

He is proved to be trained in controlling the entire generation of the world and in controlling them easily and happily; he is called *vishvapita* (the father of the world). Otherwise, there have been big [personalities] in the world who wished to get this title… that we will be the *controller* of the entire world. Alexander, Mussolini, Hitler, Napoleon. They all have been violent. They desired to control all the human beings of the world on the basis of physical power [and] violence. That is not efficiency. They were unsuccessful. Only one Daksh Prajapita is praised who is counted as the head of the entire mankind. He is named Daksh Prajapati in the scriptures. Is the father first or the husband first? The father, the one who gives birth is first. The one who controls, the one who safeguards is called husband (*pati*). He becomes the husband of the world (*vishwapati*) later on. So, the perfect stage is praised in the scriptures as Daksh Prajapati.

26.01

समय: 21.19-25.05

जिज्ञासु- .....सूर्य ने जहाँ भी सेवा किया होगा और सूर्य के द्वारा जो निकले होंगे, जो आत्मायें, तो पक्के सूर्यवंशी वही तो कहे जायेंगे।

बाबा- ये कोई बात नहीं होती है। शेर से कोई चीता पैदा हो जाता है, शेर से कोई बघर्रा पैदा हो जाता है।

जिज्ञासु- तो बघर्रा पैदा होता है; शेर तो नहीं ....

बाबा- घोड़े से कोई गधा पैदा (हो जाता है), गधे से कोई खच्चर पैदा हो जाता है।

जिज्ञासु- सो कैसे हो जायेगा?

बाबा- जैसी धरणी वैसी पैदाईश हो जाती है। धरणी सबकी एक जैसी होती है क्या?

जिज्ञासु- सूर्य का जो बीज पड़ा है...

बाबा- सूर्य का बीज तो सारी दुनिया में पड़ता है।

जिज्ञासु- ऐसे तो जो है साढ़े चार लाख सूर्यवंशी हैं जो जीवित रहेंगे....

बाबा- जो साढ़े चार लाख सूर्यवंशी हैं....

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- लेकिन पक्के और कच्चे सूर्यवंशी की बात हम कर रहे हैं।
बाबा- अब साढ़े चार लाख में बाद में जाओ; पहले आठ में तो देख लो।

Time: 21.19-25.05
Student: ….Wherever the Sun must have served and the souls who would have emerged through the Sun; they themselves must be called the firm *Suryavanshis*.
Baba: This is not correct. A lion may give birth to a Cheetah [or] he may give birth to a tiger.
Student: A tiger is born; a lion is certainly not ….
Baba: A horse may give birth to a donkey [or] a donkey may give birth to a mule.
Student: How can that happen?
Baba: As the land (i.e. womb/mother) so is the progeny. Is everybody's land alike?
Student: The seed that has been sown by the Sun….
Baba: The seed of Sun is sown in the entire world.
Student: In a way, the 450 thousand [souls] are *Suryavanshis.* Those who will remain alive….
Baba: The 450 thousand *Suryavanshis*…
Student: But I am speaking about the firm and and the weak *Suryavanshis*.
Baba: Now, talk about the 450 thousand [souls] later on; at least observe the eight [souls] first.

जिज्ञासु- आठ में ही तो बता रहे हैं।
बाबा- तो आठ में, आठों ऐसे हैं जो आदि से लेकर के अंतिम 83वें जन्म तक भी और अंतिम 84वें जन्म में भी यज्ञ के आदि में सूर्यवंशी ही बनकर के रहे। सिर्फ संगमयुग में आकर के ये ज्ञान का थोड़ा-सा अंतर देखने में आता है। वो अंतर ही माया खींच ले जाती है अंतिम जन्म में; और माया के लिए कहा जाता है माया किसी को छोड़ती नहीं। क्या ज्ञान-सूर्य को माया छोड़ देती है? छोड़ देती है? उसको भी नहीं छोड़ती। तो आठ जो हैं वो आदि से लेकर के अंत तक सूर्य के साथी ही कहेंगे, सूर्यवंशी ही कहेंगे। थोड़ा-सा जो अंतर आता है वही सृष्टि में गड़बड़ी पैदा करता है। कोई अव्वल नंबर है, कोई आठवें नंबर पर है। बाकी ऐसे नहीं कहेंगे कि आठ में एक ही सूर्यवंशी है, सात सूर्यवंशी नहीं हैं।

Student: I am speaking about the eight [souls] only.
Baba: So, among the eight [souls], all the eight are such [souls] that they remained *Suryavanshis* from the beginning till the last, i.e. 83rd birth and even in the last 84th birth in the beginning of the *yagya* they remained *Suryavanshis*. Only after coming in the Confluence Age this little difference is observed in the knowledge. Maya pulls them due to that very difference in the last birth. And it is said for *maya*: *"maya* doesn't leave anyone". Does *maya* leave the Sun of knowledge? Does she leave? She does not leave even him. So, the eight will be called the companions of the Sun from the beginning till the end; they will be called *Suryavanshis* only. The slight difference that comes itself creates disturbance in the world. Somoen is at the number one [position] while someone is at the eighth number. As for the rest it will not be said that only one is *Suryavanshi* among the eight, (or that) seven are not *Suryavanshis*.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- हैं तो सूर्यवंशी लेकिन वो चंद्रवंश का बीज हो जाता है फिर इस्लामवंश का बीज हो जाता है।

बाबा- अरे, वो तो तब हो जाते हैं जब 84 वें जन्म की शूटिंग में जाते हैं या पहले ही हो जाते हैं?

जिज्ञासु- पहले कैसे हो जायेंगे?

बाबा- तो फिर? उनकी सम्पन्नता को देखना है या उनके अधूरेपन को देखना है? सम्पन्नता को देखेंगे तो सम्पन्न बनेंगे। उनके भी अधूरेपन को देखेंगे तो नास्तिक धर्म में गिरेंगे। वो सारी सृष्टि के पूर्वज हैं। जो पूर्वज होता है उसको पूर्व ज जन्म लेने वाले की दृष्टि से देखना चाहिए या बादवाली दृष्टि से देखना चाहिए? बाप, दादा, परदादा, तरदादा ज्यादा पॉवरफुल कौन होगा? ज्यादा मान-मर्तबा हमसे लेने योग्य कौन होगा इनमें से? जितना ही पुराना होगा ओल्ड़ इज गोल्ड़ होगा। उस दृष्टि से ही देखना चाहिए।

Student: They are certainly *Suryavanshis*, but there is a seed of the Moon dynasty, there is a seed of the Islamic dynasty among them.

Baba: Arey, do they become that when they pass through the shooting of the 84th birth or do they become that before that?

Student: How will they become that before?

Baba: So, then? Should we see their perfection or should we see their imperfection? If you see the perfection you will become perfect. If you see even their imperfection, you will fall in the atheist religion. They are the ancestors of the entire world. Should we see the ancestors as the ones who are born in the beginning or as someone belonging to the latter generations? Who will be more powerful, is it the father, the grandfather, the great grand father or the great-great-grandfather? Who among them is entitled to more respect from us? The older someone is, he will be, 'old is gold' [to that extent]. We should see [them] only with that attitude.

समय:25.17-26.12

जिज्ञासु- बाबा जो रूँग वर्ष है उसमें एक-2 वर्ष गैप क्यों लगाया गया है?

बाबा- जैसे दुनिया में कोई चीज़ दुकान पे खरीदने जाते हैं; कोई साहूकार होते हैं, बिजनेसमैन होते हैं तो जो चीज़ इकट्ठी खरीदता है उसके बाद में कहते हैं ये और ले लो, ये रूँग है तुम्हारी। तो ऐसे ही भगवान भी बड़े ते बड़ा साहूकार है, बड़े से बड़ा बिजनेसमैन है। हर युग की शूटिंग में एक वर्ष रूँग का भी देता है। ये चारों युगों की शूटिंग है और उसमें गैलप करने के लिए एक वर्ष और भी नुंधा हुआ है। गैलप कर जाओ।

Time: 25.17-26.12

Student: Baba, why is there is a gap of one year in the *roong* (extra) year?

Baba: For example, when you go to buy anything in a shop; there are some merchants, businessmen, if someone buys many things together, he tells him: take this in addition to this;

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

this is your *roong* (additional gift). So, similarly, God is also the biggest merchant, the biggest businessman. He gives an extra year in the shooting of every Age. This is the shooting of four Ages and an extra year is fixed in it to enable you to gallop. Gallop ahead.

समय: 26.29-30.34

बाबा- वो प्रश्न बार-2 आ जाता है बच्चों के द्वारा- बाबा शंकर के गले में साँप क्यों दिखाते हैं? कहते हैं ना गले पड़ गया। क्या, क्या कहते हैं? गले पड़ गया। कोई साहूकार आदमी है, बड़े घर का आदमी है, सभ्य घर का आदमी है और किसी छोटे घर की स्वभाव-संस्कार से खराब परिवार की कन्या के साथ सगाई हो गई, शादी हो गई। अब वो सारा जीवन रोता है- गले पड़ गई। तो ऐसे ही शिवबाबा भी बोलते हैं - मिले ना फूल तो...

जिज्ञासु- काँटो से दोस्ती कर ली।

Time: 26.29-30.34

Baba: This question comes many times from the children: Baba, why is a snake shown around Shankar's neck?

Baba (Answer): It is said that someone has tied himself around my neck (*galey par gaya*). What? What is said? He has tied himself around my neck. If someone is a rich person, if he belongs to a rich family, if he belongs to an elite family, and if he gets engaged, he gets married to a virgin from a poor family with bad nature and *sanskars;* now he cries the entire life that she has been tied around my neck. So, similarly Shivbaba also says: "when I did not get flowers…"

Student: "I befriended the thorns".

बाबा- क्या करें? ये रूद्रमाला के जितने भी हैं लूले, लगड़े, काने, कुब्जे, कोढ़ी...

जिज्ञासु- कोढ़ी कहाँ है बाबा?

बाबा- कोढ़ी भी हैं; उनको अपाहिज कहा जाता है। अष्टावक्र जैसे हैं। अब उनसे दोस्ती कर ली तो दोस्ती निभाना चाहिए या नहीं निभाना चाहिए?

जिज्ञासु- निभाना चाहिए।

Baba: "What can I do?" All the beads of *Rudramala* (the rosary of Rudra) who are one-armed (*looley*), lame (*langrey*), one-eyed (*kaaney*), hunch-backed (*kubjey*), lepers (*kodhi*)…

Student: Where are the lepers Baba?

Baba: They are *kodhis* too; they are called *apaahij* (handicapped). They are like *Ashtavakra*[2]. When I have befriended them, should I maintain the friendship or not?

Student: You should.

बाबा- दुनिया वाले तो सम्बन्ध जोड़ लेते हैं लेकिन तोड़ भी देते हैं, अवसरवादी होते हैं। भगवान तो अवसरवादी नहीं होता है। आदि से लेकर के अंत तक निभाने वाला है और

[2] a character from Hindu mythology who had a crooked body by birth

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

निभाने के आधार पर ही भगवान के पार्ट को भगवान का पार्ट मिलता है। नहीं तो नियम क्या है? एक बार माफ, दो बार माफ, तीसरी बार माफ नहीं होना चाहिए। लेकिन यहाँ तो 70-71 साल होने जा रहे हैं। तो गले पड़ गई का मतलब ये सब साँप हैं। कोई गले में पड़े हुए हैं, कोई कमर में पड़े हुए हैं - काम विकार की औलाद हैं, कोई गले में पड़े - मोह विकार की औलाद हैं, कोई दायीं भुजा, कोई बायीं भुजा - क्रोध, लोभ की औलाद हैं, कोई सर पर भी चढ़े हुए हैं - अहंकार की औलाद हैं। उनको किसी को झटकारते नहीं हैं। क्या? वो फुप्कार भी मारते रहते हैं। पार्वती को भी फुप्कार मार दे, एक-दूसरे को तो फुँकार मारते ही हैं; तो भी उनको त्यागते नहीं हैं।

Baba: The people of the world do establish a relationship, but also break it; they are opportunists. God is not an opportunist. He maintains the relationship from the beginning till the end. And it is only because of maintaining the relationship that God gets the part of God. Otherwise, what is the rule? Someone will be excused once; he will be excused the second time; he should not be excused the third time. But here 70-71 years are about to complete. So, getting tied around the neck means that all these are snakes; some are hanging around the neck, some are hanging around the waist: they are the children of the vice of lust; some are hanging around the neck: they are the children of the vice of attachment; some are hanging [around] the right arm, some [around] the left arm: they are the children of anger and greed; some are sitting on the head: they are the children of ego. He does not shun them away. What? They also keep hissing. They hiss even at Parvati; they hiss at each other anyway; still, he does not leave them.

जिज्ञासु- प्रेम चलाते हैं।
बाबा- हाँ, जी। तो जिसने भी प्रश्न किया हो वो सोचे मैं गले पड़ी हुई हूँ या नहीं हूँ कि छोड़ के भाग जानेवाली हूँ हमेशा के लिए?

Student: He loves them.
Baba: Yes. So, whoever has asked the question should think: I am hanging around the neck (of Shankar) or not or am I the one who is going to leave him forever?

समय:31.00 -33.27
बाबा- कोई ने पूछा है- ज्ञान को जो वैल्यू देंगे वो जन्म-जन्मान्तर सुखी रहेंगे क्या? नहीं तो वैल्यू देना माना क्या?
बाबा (उत्तर)- ज्ञान को वैल्यू देना माना श्रीमत की कदर करना। बाबा ने जो भी महावाक्य बोले वो सारे ही ज्ञान रत्न हैं। उन ज्ञान रत्नों को जीवन में धारण करना माना वैल्यू देना। जितना हम धारण करेंगे उतना ही औरों को धारण कराय सकेंगे। धारण करनेवाले यहाँ ज्ञान रत्नों को धारण करते हैं और वहाँ जन्म-जन्मान्तर स्थूल धन के अधिपति बनेंगे। अर्थात् ये ज्ञान रत्न ही स्थूल रत्न बन जावेंगे। ये जन्म-जन्मान्तर की बात है; एक जन्म की बात नहीं है। ये बाप का बड़े ते बड़ा वर्सा है। बाप है निराकार तो उसका वर्सा भी कैसा है? अरे,

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाप इस सृष्टि पर आता है तो क्या धन-संपत्ति, महल-माडियां लाता है? ज्ञान रत्न ही देता है। निराकार बाप की ये निराकारी धन-संपत्ति है। इसको अपने जीवन में जो जितनी वैल्यू देगा उतना बड़े ते बड़ा साहूकार बनेगा और जन्म-जन्मान्तर बनेगा। एक-दो जन्म की बात नहीं है अथवा तो जैसे यहाँ जब-2 जैसी-2 शूटिंग करेगा वैसी प्राप्ति करेगा।

Time: 31.00-33.27
Baba: Someone has asked: "Will the one who gives value to knowledge remain happy for many births? Otherwise, what is meant by giving value (to knowledge)"?
Baba (Answer): Giving value to knowledge means to respect *shrimat*. Whatever versions Baba has spoken, they are all gems of knowledge. To put into practice those gems of knowledge in your life means to give them value. The more we imbibe, the more we will be able to make others imbibe them. Those who imbibe the gems of knowledge here will become owners of physical wealth there for many births, i.e. these gems of knowledge will themselves become physical gems. This is about many births; it is not about one birth. This is the biggest inheritance of the Father. The Father is incorporeal; so what is His inheritance also like? Arey, when the Father comes in this world; does He bring wealth and property, palaces and buildings with Him? He gives the gems of knowledge only. This is the incorporeal wealth and property of the incorporeal Father. The more someone gives value to them in his life the bigger the prosperous he will become and he will become that for many births. It is not about one or two births or whatever kind of shooting someone does here, he will achieve attainments accordingly.

समय:33.49-37.46
जिज्ञासु- बाबा, महाभारत में जो दिखाते है...।
बाबा- महाभारत में युद्ध।
जिज्ञासु- नकुल ने कृष्ण का पूजन किया तो शिशुपाल वहाँ था और ग्लानि करता है।
बाबा- नकुल ने किसका पूजन किया?
जिज्ञासु- श्रीकृष्ण का।
बाबा- कृष्ण का पूजन किया।
जिज्ञासु- शिशुपाल रोकता है और ग्लानि करता है।
बाबा- कौन?
जिज्ञासु- शिशुपाल। तो इसका बेहद का अर्थ क्या है?
बाबा- कृष्ण का पूजन किसने किया?
जिज्ञासु- नकुल।
बाबा- हाँ, तो शिशुपाल ग्लानि करता है। नकुल का पार्ट किसका है? नकुल पार्टधारी कौन है? उनके कोई गुणधर्म है या नहीं है?
जिज्ञासु- सन्यासी बताया है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 33.49-37.46
Student: Baba, it is shown in the Mahabharata…
Baba: The war of Mahabharata.
Student: When Nakul worshipped Krishna, Shishupal was present there and he defames him.
Baba: Whom did Nakul worship?
Student: Shri Krishna.
Baba: He worshipped Krishna.
Student: Shishupal stops him and defames (Krishna).
Baba: Who?
Student: Shishupal. So, what is its meaning in the unlimited sense?
Baba: Who worshipped Krishna?
Student: Nakul.
Baba: Yes; so, Shishupal defames [him]. Who plays the part of Nakul? Who plays the part of Nakul? Does he have any salient feature or not?
Student: He is said to be a *sanyasi*.

बाबा- हाँ, नकुल वो सन्यास धर्म की भारतीय आत्मायें है, जब जागेंगे माना भगवान को पहचानेंगे तो भगवान की पूजा करेंगे, मान्यता देंगे या ठुकरायेंगे? मान्यता देंगे। मुरली में बोला है- ये बड़े-2 सन्यासी जब निकलेंगे तो तुम बच्चों की विजय हो जावेगी। ये जन्म-जन्मान्तर पवित्रता को विशेष मान देनेवाली आत्मायें हैं। वो एवरप्योर बाप के पार्ट को जब पहचानती हैं तो जो जन्म जन्मान्तर के एवर इम्प्योर हैं उनको अच्छा नहीं लगता है; वो है शिशुपाल। अर्थात् ज्ञान में चलने वाले जो छोटे-2 मंदबुद्धि बच्चे हैं, बच्चा बुद्धि उनकी पालना करनेवाले हैं। उनको तोड़ लेते हैं, अपना बनाय लेते हैं और उनका हुजूम बनाकर के गालियाँ देते रहते हैं, किसको? भगवान को भी गालियाँ देते हैं। अभी दे रहे हैं प्रैक्टिकल में।
जिज्ञासु- नकुल को नेवला भी कहते हैं।
बाबा- हाँ-2, नेवला भी तो यही काम करता है कि जब साँप को पकड़ लेता है... विष उगलने वाले साँप हैं लेफ़्टिस्ट या राईटियस? लेफ़्टिस्ट। इस्लामी, क्रिश्चियन, मुसलमान, नास्तिक इनको खंड़-2 कर देगा। इनके धर्मों का खंड़न कर देंगे, टुकड़े-2 कर देंगे। इनके धर्मों का नामनिशान गुम कर देंगे; इसलिए नेवले का पार्ट है।

Baba: Yes, Nakul are those Indian souls of the *Sanyas* religion, who when they wake up, i.e. when they realize God, will they worship God, will they give him respect or will they reject Him? They will give Him respect. It has been said in the Murlis : When these big *sanyasis* emerge, you children will gain victory. These are the souls who give special respect to purity for many births. When they recognize the part of the ever pure Father, then those who have been ever-impure for many births do not like it; they are Shishupal, i.e. they are the ones who sustain (*paalna*) the small, unintelligent children (*shishu*) who are following the path of knowledge and have a child-like intellect. They break them and make them their own and after creating their groups keep hurling abuses [at God]. On whom? They hurl abuses even at God. Now they are hurling [abuses at God] in practical.
Student: Nakul is also called a *nevla* (mongoose).

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes, a mongoose also performs the same task; when it catches the snake…; are the snakes which emit poison leftists or righteous? Leftists. He will break the people of Islam , the Christians, the Muslims, the Atheists into pieces. They (the *sanyasis*) will destroy these religions, they will break them into pieces. They will remove the name and trace of their religions. This is why theirs is the part of a mongoose.

समय: 38.00-44.32

बाबा (प्रश्न)- बाबा, सत्यम्, शिवम, सुन्दरम् निराकार का गायन है या साकार का गायन है?

बाबा (उत्तर)- ये सत्यम्, शिवम, सुन्दरम् ये गुणों की गिनती में है या अवगुणों की गिनती में है? गुणों की गिनती होती है। तथाकथित ब्रह्माकुमारों ने 32 गुणोंवाला भगवान का चित्र बनाया है। कौनसा? वो निराकार का चित्र है या साकार का है?

जिज्ञासु- निराकार।

बाबा- जो गुण हैं वो निराकार के गुण होते हैं या साकारी सृष्टि में जब साकार बनता है तब गुण प्रत्यक्ष होते हैं?

जिज्ञासु- साकारी।

बाबा- ऐसे ही ये भी तीन गुण जो भगवान के विशेष गुण हैं; सत्यम्। सत्य ही शिव है, गॉड़ इज़ ट्रूथ। और आत्मायें ऐसा सच्चा पार्ट नहीं बजाती हैं साकार शरीर के द्वारा। सब झूठे साबित हो जाते हैं। दुनिया में एक ही सदगुरू साबित होता है और बाकी गुरू झूठे साबित हो जाते हैं। ये सभी साबूती करने में सिक्ख धर्म बड़ा सहयोगी बनता है। इसलिए एक ही सिक्ख धर्म में ये गायन चलता है, क्या? एक सदगुरू निराकार और बाकी गुरू? (किसीने कहा- झूठे) एक सदगुरू निराकार सच्चा और बाकी सब गुरू हो गये झूठे।

Time: 38.00-44.32

Baba (question): Baba, is '*Satyam* (truthful)*, Shivam* (benevolent)*, Sundaram* (beautiful)*'* a glory of the incorporeal one or the corporeal one?

Baba (answer): Is this '*Satyam, Shivam, Sundaram'* counted among virtues or vices? They are counted among virtues. The so-called Brahmakumars prepared a picture of God showing His 32 virtues; which one? Is it a picture of the incorporeal one or the corporeal one?

Student: The incorporeal one.

Baba: Do the virtues belong to the incorporeal one or are the virtues revealed when He becomes corporeal in the corporeal world?

Student: Corporeal.

Baba: Similar are these three virtues, which are the special virtues of God; *Satyam*. *Satya* (truth) itself is Shiv (i.e. benevolent). *God is truth*. Other souls do not play such a true part through the *sakar* body. All of them are proved to be false. Only one is proved to be the *Sadguru* in the world and the remaining gurus are proved to be false. Sikhism becomes very helpful in proving all this. This is why it is praised in Sikhism alone; what? One *Sadguru* is incorporeal and the rest of the gurus? (Someone said: False.) One incorporeal *Sadguru* is true and the remaining gurus are false.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

शिवम, कल्याणकारी। कैसा कल्याणकारी? जो बोलेगा और जिसके लिए भी बोलेगा और जिस समय में भी बोलेगा वो बात अंत में जाकर के कल्याणकारी ही साबित होगी। वो अकल्याणकारी साबित नहीं हो सकता। कर्मेन्द्रियों से जो कर्म करेगा, जिसके साथ भी करेगा, जिस टाईम पर भी करेगा वो प्रत्येक / प्रति एक कर्म कल्याणकारी साबित होगा; अकल्याणकारी साबित नहीं हो सकता। भल ये बात अंत में जाकर के साबित होगी और जो सत्य है, जो कल्याणकारी है वही सुंदर है। देखने का सुंदर वो इन आँखों की बात होती है। तीसरे नेत्र से भी सदैव सुंदर दिखाई दे। वो रूप, तीसरी कोटि में वो गुण आता है माना लास्ट में भगवान की ऐसी अव्यक्त निराकारी स्टेज देखने में आवेगी सारी दुनिया को कि इतना सुंदर धर्मपिता दुनिया में कोई भी नहीं हुआ। न क्राईस्ट आकर्षण करने वाला, न बुद्ध, न गुरूनानक। एक भी धर्मपिता इतना सुंदर नहीं होता है जितना वो सनातन धर्म का स्थापन करनेवाला धर्मपिता शिवबाबा सारे संसार को आकृष्ट करता है; इसलिए उसका नाम कृष्ण पड़ता है।

Shivam, benevolent. Benevolent in what way? Whatever He speaks, for whomsoever He speaks and whenever He speaks, those words will prove to be only benevolent in the end. It (what He spoke) cannot be proved to be harmful . Whatever action He performs through the bodily organs, with whomsoever He performs [those actions], at whichever time He performs [those actions], every act will prove to be benevolent. It cannot be proved to be harmful, although it will be proved in the end. And He who is true, who is benevolent is Himself beautiful. As regards the subject of something appearing beautiful, it is about these eyes. He should appear beautiful to the third eye as well. That form, that virtue, comes in the third category, i.e. the entire world will see God in such an *avyakt* incorporeal stage in the last period that no other religious father was so beautiful in the world; neither Christ attracted [so much], nor Buddha, nor Guru Nanak; no religious father is as beautiful as Shivbaba, who establishes the *Sanatan dharma* (Ancient religion) and attracts the entire world; this is why He is named Krishna.

कृष्ण माने आकर्षण करनेवाला। वही व्यक्तित्व, उसी जन्म में पुरूषार्थ के आदि में आकृष्ट करनेवाला होता है या नफ़रत में देखने में आता है? दुनियावाले उसको ठुकराते हैं या गले लगाते हैं? ठुकराते हैं। दुनियावालों की बात छोड़ दो, ब्राह्मणों की दुनियावाले भी, क्या करते हैं? ठुकराते हैं। इसलिए मुरली में बोला- एक ही स्वरूप है जो अति का काला, अति का श्याम और अति का सुंदर साबित होता है। नाम क्या है? श्याम-सुंदर। वो तथाकथित ब्रह्माकुमार-कुमारी तो कहते हैं दादा लेखराज ब्रह्मा इस जन्म में श्याम थे अगले जन्म में सुंदर बनेंगे। अरे, ये श्याम-सुंदर एक व्यक्तित्व का नाम है या दो पर्सनालिटीज़ का नाम है? एक पर्सनालिटी का नाम है।

Krishna means the one who attracts. Does the same personality attract or cause hatred in the beginning of his *purusharth* in that very birth? Do the people of the world reject him or do they embrace him? They reject him. Leave the subject of the people of the world; what do the

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

people of the world of Brahmins also do? They reject him. This is why it was said in the Murli: there is only one form that is proved to be extremely dark and extremely beautiful. What is his name? Shyam-Sundar. Those so-called Brahmakumar-kumaris say that Dada Lekhraj Brahma was dark in this birth and will become beautiful in the next birth. Arey, is this 'ShyamSundar' the name of a single personality or two personalities? It is the name of a single personality.

समय: 44.40-47.31

जिज्ञासु- बाबा, रामायण में लक्ष्मण को जब .... लगती है तो राम को रोते हुए दिखाये जाते हैं।

बाबा- रोते हुए दिखाये गये?

जिज्ञासु- लक्ष्मण को जब .... लगती है तो राम रोते हुए दिखाये जाते है।

बाबा- तो?

जिज्ञासु- भगवान हैं रोत काहे?

बाबा- भगवान हैं तो रोये काहे! बड़ा जैसा कर्म करेगा तो बड़ो को देख...

जिज्ञासु- छोटे करेंगे।

Time: 44.40-47.31
Student: Baba, when Lakshman became [unconscious] Ram is shown to be crying in the Ramayana.
Baba: Has he been shown to be crying?
Student: Ram is shown to be crying when Lakshman became [unconscious].
Baba: So?
Student: If he is God, why does he cry?
Baba: If He is God, why should he cry! Whatever actions the elders perform, then seeing the elders…
Student: The younger ones will copy.

बाबा- अगर कोई पे अपत्ति आ गई, कोई मरणासन्न होने जा रहा है तो जो अज़ीज़ हैं वो खूब हंसने लगें सबके सामने, घी-पूड़ी बांटने लगें, लोंगो को खुशी दर्शित करने लगें तो दुनिया भी क्या करेगी? वही करेगी। इसका मतलब ये हुआ कि हमको ऐसा कोई कर्म नहीं करना है जिससे दुनिया को दु:ख हो जाये। दूसरों के सुख में सुखी होना चाहिए और दूसरों के दु:ख में दु:खी भी होना चाहिए; भले दिखावे के लिए। इतना ज्ञानी बनकर के दिखाने की जरूरत नहीं है। कितना ज्ञानी? जो मुरली में बाबा बोलते है- मम्मी मरे तो हलवा खाओ। हलवा खाने का मतलब? कि वास्तव में तुम सबके सामने हलवा बनाओ और हलवा खाओ और हलवा बांटो, लाश पड़ी हुई है सामने। ये हलवा बताया क्या? बेहद का बाप बेहद के बच्चों के सामने बेहद की बातें करते हैं। आत्मिक स्थिति की ऐसी शक्तिशाली स्टेज हो जैसे हलवा में शक्ति होती है कि जो रोनेवाली आत्मायें हैं वो भी शांत होने लगें। ऐसी याद की स्टेज में टिक जाना

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

चाहिए। नहीं तो रोनेवालों के माहौल में जो सदा हँसनेवाला होता है उसको भी, उसको भी आँसू आने लगते हैं और संगमयुग मौजों का युग है या रोने का युग है, रूलाने का युग है?
जिज्ञासु- मौजों का।
बाबा- और हम हलवा खायेंगे तो दूसरों को दु:ख होगा।

Baba: If someone is facing a crisis; if someone is about to die, and if the near and dear one starts laughing loudly in front of everyone, if he starts distributing *ghee-poori* (delicacies) to everyone, if they start showing their happiness to the people, then what will the world also do? It will do the same thing. It means that we should not perform any action like this which brings sorrow to the world. We should become happy in others' happiness as well as sorrowful in others' sorrow, even if it is just for showing off. There is no need to show-off that you are so knowledgeable. How knowledgeable? What Baba says in the Murli: Eat *Halwa*[3] if your mother dies; what is meant by eating *Halwa*? [It does not mean] that you actually prepare *Halwa* in front of everyone, eat *Halwa* and distribute it when the corpse is lying in front of you. Was it said about this *Halwa*? The unlimited father speaks to the unlimited children in an unlimited sense. The stage of soul consciousness should be so powerful, just as *halwa* is powerful; that even the crying souls stop crying. You should become constant in such stage of remembrance. Otherwise, even the one who always laughs starts shedding tears in the midst of those who cry; and is the Confluence Age an age of happiness or an age of crying and making others cry?
Student: Of happiness.
Baba: And if we eat *Halwa* others will feel sorrowful.

समय: 49.19-50.02
जिज्ञासु- बाबा, हिन्दी भाषा और अंग्रेजी भाषा; हिन्दी में जैसे लिखा जाता है वैसे ही बोला जाता है।
बाबा- हाँ।
जिज्ञासु- लेकिन अंग्रेजी में ऐसा नहीं है।
बाबा- हाँ।
जिज्ञासु- इसका क्या मतलब है? ऐसे क्यों?
बाबा- ये हिन्दुस्तानियों की पहचान है। क्या? जैसा बोलते हैं वैसा ही करते हैं। क्या? और देश वासी जैसा बोलते हैं वैसा करते नहीं है। इसलिए यहाँ की भाषा भी ऐसी है। ये यादगार है।

Time: 49.19-50.02
Student: Baba the language Hindi and the language English; Hindi is spoken just as it is written.
Baba: Yes.
Student: But it is not the case in English.

[3] An Indian sweet

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes.
Student: What does this mean? Why is it like this?
Baba: This is the identification of the Indians (Hindustani). What? They do what they say. What? The people of the other countries don't do what they say. That is why the language here is also like this. This is a memorial.

समय:50.08-01.07.55

बाबा- प्रश्न आया है- रावण यमराज को भी पराजित कर देता है। ऐसा शास्त्रों में दिखाया है। क्या? यमराज कौन है? एक सौ आठ की लिस्ट में है, एक हजार आठ की लिस्ट में है, सोलह हजार की लिस्ट में है, एक लाख शालीग्रामों की लिस्ट में है, 33 करोड़ देवताओं की लिस्ट में है, अरे, वो कौनसी लिस्ट में है? अरे।

जिज्ञासु- 8 बताय रहे है ये तो कोई।

बाबा- बताय रहे हैं तो क्या झूठ बताय रहे हैं या सच बताय रहे हैं?

जिज्ञासु-108

Time: 50.08-01.07.55
Baba: A question has been asked: Ravan defeats even Yamraj[4] . It has been shown like this in the scriptures. What? Who is Yamraj? Is he in the list of the 108 [beads], in the list of the 1008, in the list of 16000, in the list of the one lakh *shaligrams,* [or] in the list of the 330 million deities? Arey, in which list is he included? Arey.
Student: Someone is saying, [in the list of the] eight [deities].
Baba: If he is saying (eight), is he speaking false or the truth?
Student: 108.

बाबा- 108 की लिस्ट में है? (किसीने कुछ कहा।) इतना ज्ञान लेने के बाद हरेक को अपने पूर्वजों का तो ज्ञान हो जाना चाहिए, जल्दी-जल्दी हो जाना चाहिए। अष्ट देवताओं की लिस्ट में धर्मराज भी आ जाता है। क्या? कौन? धर्मराज। ब्राह्मणों की दुनिया में धर्मराज कौन है?

जिज्ञासु- ब्रह्मा बाबा।

बाबा- जिंदा है? मूर्ति बनेगी?

जिज्ञासु- नहीं बनेगी।

बाबा- भारत में तो अष्ट देवताओं की मूर्तियाँ बनती हैं, मंदिर भी बनते हैं और दक्षिण भारत में उनकी पूजा भी होती है, पूजन भी होता है। पूजन का आधार क्या है? (किसीने कहा- प्योरिटी।) प्योरिटी ऐसी धारण की है। माने धर्मराज जो है, मुरली में क्या बोला उसके बारे में? मेरा राईड़ हैण्ड़ है। क्या? कौन है राईड़ हैण्ड़? अरे, कोई है या नहीं है? हवा है?

जिज्ञासु- कृष्णवाली आत्मा।

बाबा- कृष्णवाली आत्मा? आत्मा की मूर्ति बनती है?

[4] the deity of death

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- पंचमुखी ब्रह्मा में आत्मा मान लेते हैं तो इसमें भी मान लेना चाहिए।
बाबा- किसमें?
जिज्ञासु- धर्मराज में।

Baba: Is he in the list of the 108 [beads]? (Someone said something.) After obtaining so much knowledge everyone should have the knowledge of their ancestors; they should have it quickly. Dharmaraj is also included in the list of the eight deities. What? Who? Dharmaraj. Who is Dharmaraj in the world of Brahmins?
Student: Brahma Baba.
Baba: Is he alive? Will his idols be prepared?
Student: No.
Baba: In India, idols of the eight deities are prepared, their temples are constructed too and they are also worshipped in southern India. They are worshipped too. What is the basis of worship? (Someone said: Purity.) They have imbibed such purity. It means that… what has been said about Dharmaraj in the Murli? He is my right hand; what? Who is the right hand? Arey, is there anyone or not? Is it the wind?
Student: The soul of Krishna.
Baba: The soul of Krishna? Is an idol of the soul prepared?
Student: When we accept him (as soul) in five-headed Brahma, then we should accept him in this one, too. In whom?
Student: In Dharmaraj.

बाबा- नहीं। वो ब्रह्मा नाम है। जैसा नाम वैसा काम। वो अम्मा नहीं है। धर्मराज क्या है? धर्म का और धारणाओं का राजा बनकर के प्रत्यक्ष होता है; तब तो दूसरों को दंड़ देगा। खुद ही कायदे-कानून नहीं जानता होगा, खुद ही नहीं चलता होगा तो दूसरों को दबाव दे सकता है कि तुम भी चलो? नहीं। और धर्मराज से सब भागते हैं या गले लिपटते हैं?
जिज्ञासु- भागते हैं।
बाबा- यहाँ शूटिंग भी हो रही होगी। क्या? जो भी दुश्कर्मी ब्राह्मण हैं या ब्राह्मणियाँ हैं वो नाम से ही दूर भागेंगे, बुराइयाँ करेंगे, धर्मराज की अच्छाइयाँ उनको देखने में नहीं आवेंगी। बाप कहते हैं मेरे तो गले लटक जाते हैं, क्या? दूसरे धर्मों के भी हो, दूसरे धर्मों में कनवर्ट होनेवाले भी हों, दूसरे धर्मों की राजाई स्थापन करनेवाले भी हों तो भी वो मेरे गले लिपट जाते हैं और धर्मराज से भागते हैं। तो यहाँ ये प्रैक्टिकल में अनुभव किया जा सकता है। कोई प्रैक्टिकल में ऐसा पार्ट बजानेवाली आत्मा है, आठ मणकों के अंदर ही है।

Baba: No. That name is Brahma. As is the name so is the task performed. He is not the mother; what is Dharmaraj? He is revealed in the form of a king (*raja*) of *dharma* (religion) and *dharana* (virtues); only then will he punish others. If he does not know the rules and laws himself, if he does not follow them himself, can he pressurize others to follow the same? No. And does everyone run away from Dharmaraj or do they embrace him?
Student: They run away.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: The shooting must also be taking place here. What? All the wicked Brahmins and Brahmanis will run away only on hearing his name; they will speak ill about him; the virtues of Dharamaraj will not be visible to them. The Father says, they hang around my neck; what? Even if they are those who belong to other religions, even if they convert to other religions, even if they are the ones who establish the kingship of other religions, they hang around my neck and run away from Dharmaraj. So, it can be experienced in practical here. There is a soul who plays such part in practical; it is someone within the eight beads itself.

बाबा- कि जिनके ऊपर सब फिदा हो जाते हैं, देखने में आता है, जो आता सो फिदा होने लगता है, क्या? खासकर के शक्तियों को बाबा कहते हैं राईड़ हैण्ड़। कहते है या नहीं?
जिज्ञासु- कहते हैं।
बाबा- गोप हैं लेफ़्ट हैण्ड़। वो खासकर के शक्तियाँ तो मोस्टली फिदा होने लग पड़ती है जिनके ऊपर वो भी धर्मराज से घृणा करते है और भगवान उसको राईट हैण्ड़ बनाता है। बडे सकते में आ गये सब के सब। क्या? झाड़ के चित्र में जड़ों में 4 इधर बैठे हैं और 4 इधर। वो हमारे लिए इधरवाले राईट हैण्ड़ दिखाई पड़ते हैं, सामने से देखेंगे तो। लेकिन बीच में जो 2 बैठे हैं सृष्टि के मात-पिता के रूप में उनको कहे जगतपिता-जगदम्बा के रूप में। बैठे हैं ना? उनमें राईट कौन है और लेफ्ट कौन हैं? विधर्मियों के तरफ कौन बैठा है और भारतवासियों के तरफ कौन बैठा है? बाप बैठा है विधर्मियों को कन्ट्रोल करने के लिए। बाप बाहर को संभालता है और माँ अंदर भारतवासियों को संभालती है। तो जो बाप की बैठक है वो बाप बोलता है धर्मराज है मेरा राईट हैण्ड़।.....बात हो रही है धर्मराज की। उन 8 में से, जो 8 बीजरूप आत्मायें हैं उन 8 में से एक कौनसी है? क्योंकि भगवान बाप को तो सब पसंद करते हैं। करते हैं या नहीं करते है?
जिज्ञासु- करते हैं।

Baba: The ones, on whom everyone becomes devoted to. It can be seen that whoever comes becomes devoted to them; what? Baba especially calls the *shaktis* as his right hand; does He say or not?
Student: He says.
Baba: *Gop* (brothers) are left hands. The ones, on whom especially the *shaktis* mostly become devoted to; they too hate Dharmaraj and God makes that one His right hand. Everyone is very confused. What? In the picture of the Tree, four are sitting on this side of the roots and four on that side. For us they appear to be on the right hand side, if you see from the front side. But those who are sitting the middle in the form of mother and father of the world who could be termed as Jagatpita and Jagdamba… They are sitting, aren't they? Among them who is right and who is left? Who is sitting on the side of the *vidharmis*[5] and who is sitting on the side of the *swadharmis* (Indians)? The Father is sitting to control the *vidharmis*. The Father looks after the outside affairs and the mother takes care of the Indians inside. So, the Father says: Dharmaraj is my right hand. ….The subject of Dharmaraj is being

[5] Those whose beliefs and practices are opposite to that set by the Father.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

discussed. Among those eight, among the 8 seed form souls, who is the one? It is because everyone likes God the Father. Do they like or do they not?
Student: They do.

बाबा- और भगवान बाप का जो दूसरा मणका सहयोगी है उसको भगवान बाप पसंद करता है और इतना पसंद करता है, इतनी मान्यता देता है जितनी 3 देवियों को तीन देवताओं ने भी मान्यता नहीं दी, क्या? तो जिसको भगवान पसंद करता है उसको सारी दुनिया आखरीन पसंद करेगी या नहीं करेगी?
जिज्ञासु- करेगी।
बाबा- उसका नाम दे दिया परदादी। ये एड़वान्स की दुनिया में जैसे परदादी है लास्ट में सब उनको मानेंगे। अभी अज्ञानता के कारण न भी माने क्योंकि और-2 धर्म में कनवर्ट होनेवाली आत्मायें भी हैं उनसे प्रभावित होंगी। लास्ट में तो मानेंगे ही। ऐसे ही बेसिक ब्राह्मणों की दुनिया में भी परदादी है। बेसिक ब्राह्मणों में सब उनको पसंद करते हैं, कौन है?
जिज्ञासु- निर्मलशान्ता दादी।

Baba: And the second bead who is the helper of God the Father, is liked by God the Father and He likes her so much, gives so much respect to her that even the three deities did not give as much respect to the 3 female deities. What? So, will the world finally like the one whom God likes or not?
Student: It will like.
Baba: She has been named *Pardaadi* (great-grandmother). She is the great-grandmother in the advance (party); everyone will accept her in the end. Although they may not accept her now due to ignorance because there are also souls who convert to other religions, they will be influenced them. They will certainly accept her in the end. Similarly, in the basic world of Brahmins also there is a great grandmother. Everyone among the basic Brahmins likes her; who is she?
Student: Nirmalshanta Dadi.

बाबा- निर्मलशान्ता दादी। तो वो तो हो नहीं सकता धर्मराज का पार्ट। फिर सूर्यवंश का हेड़ भगवान स्वंय, भगवान का मर्तबा पा जाता है। होता तो नहीं है भगवान लेकिन मर्तबा तो पा जाता है और चंद्रवंश में जो शांतचित्त की प्योरिटी है वो परदादी पाय लेती है रूद्रमाला में। फिर आगे नंबर किसका आता है जिसकी निशानी झाड़ में दिखाई गई है बताओ कौनसी निशानी है?
जिज्ञासु- इस्लाम धर्म।
बाबा- निशानी क्या है, पहचान बताओ?
जिज्ञासु- भारत की तरफ मुख है।
बाबा- हाँ, सभी धर्मपितायें सामने बैठे हुए हैं। अपने ही अहंकार में बैठे हुए हैं और एक ही धर्मपिता है जो भारत की ओर मुँह कर के बैठा हुआ है। अंदर से भी सन्मुख और आखरीन जब पार्ट प्रत्यक्ष होगा तो सारी दुनिया को पता चलेगा कि अंदर, बाहर दोंनो से सन्मुख

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

होकर के रहता है। ऐसे सन्मुख रहनेवाली आत्मा को ही बाप राईट हैण्ड़ बनाता है, धर्मराज। भल कोई कितने भी घृणा करनेवाले बने। तो प्रैक्टिकल हैण्ड़ है धर्मराज कृष्णवाली आत्मा का, अष्टदेवों में; वो बीजरूप आत्मा है। मिलिट्री कौनसे धर्म की बहुत खुंखार और कायदे-कानून पर सख्त चलनेवाली होती है?

जिज्ञासु- इस्लाम धर्म।

Baba: Nirmalshanta Dadi. So, her part cannot be Dharmaraj's part. Then, the head of the Sun dynasty himself gets the status of *Bhagwan* (God). He is not *Bhagwan* (God) in reality, but he indeed gets the status and *pardaadi* of the *Rudramala* achieves the purity of calmness that is in the Moon dynasty. Then whose number comes next, whose identification has been shown in the picture of the Tree? Tell me what the identification is.
Student: The Islam religion.
Baba: What is the indication; tell me the identification.
Student: His face is towards Bharat.
Baba: Yes, all the religious fathers are sitting with their face to the front. They are sitting egotistically. And there is only one religious father who is sitting facing towards India. He is face to face from inside as well and ultimately when the part will be revealed, then the entire world will know that he remains face to face from inside as well as outside. The Father makes only such soul, who remains face to face his right hand, Dharmaraj. No matter the people hate him to whatever extent. So, the practical hand of the soul of Krishna is Dharmaraj among the eight deities. He is a seed-form soul. The military of which religion is very ferocious and follows the rules and laws very strictly?
Student: The Islam religion.

बाबा- उनकी कुरान में जो नीति-नियम-कानून हैं वो मिलिट्री शासन के नीति-नियम-कानून हैं। कड़क होकर के धर्म के सिद्धान्तों पर चलना पड़ता है - "करो या मरो" - धरत परिये पर धर्म ना छोड़िये। इसलिए बाबा ने भी बोला - पहले कौन मरेंगे? ये इस्लामी मरेंगे। इनमें ये शिफ्त है - या तो करेंगे या तो मरेंगे। तो मरने में भी अव्वल नंबर है और करने में भी मिलिट्री है; लेकिन वो अष्ट देवताओं में से एक है। जो बाबा ने बोला कि अष्टदेव जल्दी-2 प्रत्यक्ष होंगे। क्या? तीन मूर्तियों के तरह धीरे-2 प्रत्यक्ष होंगे या कुछ ही वर्षों में प्रत्यक्ष हो जायेंगे? जल्दी-2 पार्ट प्रत्यक्ष होंगे। सवाल किसका था? अरे, सवाल किसने किया था?

जिज्ञासु- पर्ची में।

Baba: The policies, rules and laws in their Quran are like the policies, rules and laws of military rule. They have to follow the principles of their religion strictly. "Do or die" One may fall dead on the ground but he should not leave his religion. This is why Baba has also said, who will die first? These people of Islam will die [first]. They have the specialty: they will either do or die. So, they are number one in dying as well as in doing, they are like the military, and he is one among the eight deities for whom Baba has said that the eight deities will be revealed in a quick succession. What? Will they be revealed gradually like the three personalities or will they be revealed in a few years? Their parts will be revealed in a quick succession. Whose was this question? Arey, who had asked this question?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: It was asked on a slip.

बाबा- हाँ, यमराज। पर्चे ने सवाल किया था, बतायेगा नहीं। तो उस रावण ने किसको पराजित कर दिया? यमराज को भी पराजित कर दिया, क्या? एक काशी नगरी ऐसी है जिसको कोई गड्ढे में नहीं ले जा पाता, क्या? हिरण्याक्ष राक्षस सारी दुनिया को, सारी पृथ्वी को गड्ढे में ले गया, काशी नगरी छिटक गई; वो तो दूसरा मणका है। बाकी? बाकी कितने बचे? 6 बचे। तो 6 में पॉवरफुल कौन है? वही इस्लाम धर्म। इतना पॉवरफुल नहीं है जो रावण उसको जीत न सके। रावण भी उसको अंतिम जन्म की जब बात आती है, लास्ट माया का प्रकोप होता है, आखरी पेपर होता है फाईनल तो उस मणके को माया रावण क्या कर देता है? पराजित कर देता है। भल पराजित कर देता है परंतु उसके साथ है कौन?
जिज्ञासु- बाप।
बाबा- बाप जिसके साथ है उसका बाल- बाँका भी नहीं होगा।

Baba: Yes, Yamraj. The question was asked by the slip. It (the slip) will not speak☺. So, whom did that Ravan defeat? He defeated even Yamraj; what? One Kashi Nagari is such that nobody is able to take her to the pit. What? The demon Hiranyaksh took the entire world, the entire Earth to the pit, but Kashi nagari was separated; she is the second bead. The rest? How many are left? 6 are left. So, who is the powerful one among the six? The same Islam religion. It is not so powerful that Ravan cannot defeat it. So, when it comes to the last birth, when it is the last attack of Maya, when it is the last paper, the final one, then what does Maya Ravan do to that bead? He (Ravan) defeats him (Dharmaraj). Although he defeats him, who is with him?
Student: The Father.
Baba: The one who is accompanied by the Father will remain unscathed.

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info